जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 350 प्रभात अजमेर, सोमवार 21 जुलाई, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

हम ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए तैयार हैं- रिजिजू

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि संसद के मानसून सत्र में सरकार हर मुद्दे पर खुले दिल से चर्चा करेगी

नई दिल्ली, 20 जुलाई। संसद के मानसून सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तमाम मुद्दों पर चर्चा हुई। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार-विपक्ष के बीच समन्वय होना चाहिए। हम मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैंउन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव पर सांसदों के हस्ताक्षरों की संख्या पहले ही 100 को पार कर चुकी है।

सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के नेताओं की एक बैठक हुई। इस सत्र में कुल 51 राजनीतिक दल और स्वतंत्र सांसद भाग लेंगे। इन 51 दलों के 54

- रिजिजू ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में 51 दलों के 54 सदस्यों ने भाग लिया। चालीस सदस्यों ने अपनी पार्टी की ओर से राय रखी। सरकार ने सभी की बातों पर ध्यान दिया।

सदस्यों ने बैठक में भाग लिया। 40 सांसदों ने अपनी पार्टियों की ओर से अपनी राय रखी। यह बहुत रचनात्मक थी। सभी राजनीतिक नेताओं ने अपनी पार्टियों की स्थिति और उन मुद्दों को बताया जो वे इस सत्र में लाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी की बातों पर ध्यान दिया है। हमने अनुरोध किया है कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, इसके लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को अच्छे समन्वय के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावों के मुद्दे पर सरकार संसद में उचित जवाब देगी। कई मुद्दे ऐसे हैं जिन पर पार्टियों ने कहा है कि इन पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। हम खुले दिल से चर्चा के लिए तैयार हैं। हम हर मुद्दे पर चर्चा करेंगे लेकिन नियमों और परंपराओं के अनुसार।

उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपनी राय रखी। एनडीए, यूपीए (इंडिया गठबंधन) और उनके बीच के दलों ने अपनी राय रखी है। हम इन सभी मुद्दों को संसद में ले जाएंगे, क्या चर्चा करनी है और क्या नहीं, इसका फैसला बीएसी (कार्य मंत्रणा समिति) में किया जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मैराथन धावक फौजा सिंह का अंतिम संस्कार हुआ

ब्यास (जालंधर), 20 जुलाई। विश्व प्रसिद्ध 114 वर्षीय मैराथन धावक फौजा सिंह का रविवार को उनके पैतृक गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान सहित हज़ारों लोगों ने नम आंखों से फौजा सिंह को अंतिम विदाई दी। मुख्यमंत्री ने फौजा सिंह के पार्थिव शरीर

- वे विश्व के सबसे वृद्ध मैराथन धावक थे। जालंधर के स्पोर्ट्स कॉलेज में उनकी प्रतिमा लगेगी।

पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि 14 जुलाई को सड़क पार करते समय एक तेज़ रफ्तार वाहन की टक्कर से फौजा सिंह की मृत्यु हो गयी थी। मान ने फौजा सिंह के खेल जगत में दिये गये बहुमूल्य योगदान की सराहना करते हुये कहा कि 114 वर्ष की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मस्क के स्पेस एक्स के साथ सरकारी अनुबंध जारी रखेंगे ट्रंप

अरबपति मस्क के साथ सार्वजनिक विवाद के बाद ट्रंप ने उनके साथ सारे संबंध तोड़ने की धमकी दी थी

वाशिंगटन, 20 जुलाई। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्पेसएक्स के साथ सरकारी अनुबंधों का मूल्यांकन करने के बाद ट्रंप प्रशासन इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि उनमें से अधिकांश को बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि, वे पेंटागन और नासा के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने रविवार को सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के सूत्रों के अनुसार, जून की शुरुआत में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने यह घोषणा की थी कि वह कुछ दिनों बाद एलन मस्क के साथ मौजूदा सरकारी अनुबंधों का पुनर्मूल्यांकन करेंगे।

इसी के मद्देनजर ट्रंप प्रशासन ने अरबों डॉलर के समझौतों में संभावित नुकसान का आकलन करने के लिए अनुबंधों की समीक्षा शुरू की। स्पेसएक्स की अध्यक्ष ग्वेने शॉटवेल ने स्पेसएक्स अनुबंधों के मूल्यांकन के दौरान व्हाइट हाउस के अधिकारियों से

- ट्रंप की धमकी से नासा व पैंटागन की चिंताएं बढ़ गई थीं, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजने व वापस लाने के लिए नासा स्पेस एक्स का उपयोग करता है तथा पैंटागन अपने महत्वपूर्ण उपग्रह को प्रक्षेपित करने के लिए मस्क की कंपनी पर निर्भर है।

मुलाकात की।

समाचारपत्र के एक सूत्र ने कहा कि स्पेसएक्स के कुछ अनुबंधों की आगे जांच की जा सकती है। जून में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और अरबपति मस्क के बीच सार्वजनिक विवाद शुरू होने के बाद व्हाइट हाउस ने रक्षा विभाग और नासा को स्पेसएक्स के साथ बड़े अनुबंधों पर विस्तृत जानकारी एकत्रित करने का निर्देश दिया था।

ट्रंप द्वारा स्पेसएक्स के साथ अनुबंध समाप्त करने की धमकी के बाद एलन मस्क ने कहा था कि वह ड्रैगन अंतरिक्ष यान उड़ाना बंद कर सकते हैं। इससे अंतरिक्ष एजेंसी यात्रियों को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजने और वापस लाने की क्षमता खो सकती थी।

एलन मस्क बाद में अपनी धमकी पर पीछे हट गए लेकिन उनकी घोषणा ने नासा अधिकारियों में चिंताएं उत्पन्न कर दीं, जिन्होंने स्पेसएक्स पर अपने अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रखने का भरोसा किया था और पेंटागन अपने महत्वपूर्ण उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के लिए उनकी कंपनी पर अधिक निर्भर है।

दरअसल मई माह के अंत में राष्ट्रपति कार्यालय ने एलन मस्क के करीबी जैरेड इसाकमैन को नासा प्रशासक के पद से हटा दिया था जिसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप और एलन मस्क के बीच तनाव बढ़ गया था।

मोदी ब्रिटेन व मालदीव जायेंगे

नयी दिल्ली, 20 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को चार दिन की यात्रा पर ब्रिटेन और मालदीव जायेंगे जहां वे मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के समारोह में 'मुख्य अतिथि' होंगे।

मोदी यात्रा के पहले चरण में 23 जुलाई को दो दिन की ब्रिटेन यात्रा पर रवाना होंगे और इसके बाद दूसरे चरण में वह 25 जुलाई को दो दिन की यात्रा पर मालदीव जायेंगे।

विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि मोदी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री, सर कीर स्टारमर के निमंत्रण पर ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह प्रधानमंत्री की ब्रिटेन की चौथी यात्रा होगी। ब्रिटेन में मोदी अपने समकक्ष के

- वे मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगाँठ के समारोह में मुख्य अतिथि होंगे।

साथ भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं पर व्यापक चर्चा करेंगे। वे क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री की राजा चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात की उम्मीद है। इस यात्रा के दौरान दोनों पक्ष व्यापार और अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और नवाचार, रक्षा और सुरक्षा, जलवायु, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की भी समीक्षा करेंगे।

यात्रा के दूसरे चरण में मोदी मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज़्ज़ू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लुटेरी दुल्हन गहने व नकदी लेकर फरार हुई

जयपुर, 20 जुलाई। कोटखावदा थाना इलाके में, शादी के महज 13 दिन बाद ही लाखों रुपए के गहने व नकदी लेकर फरार होने वाली दुल्हन का मामला सामने आया है। यहीं नहीं दुल्हन ने अपने परिजनों के साथ मिलकर पीड़ित पक्ष को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी और लाखों रुपयों की डिमांड की। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

- बिचौलिए ने भी शादी कराने के तीन लाख 60 हजार रूपए लिये थे।

थानाधिकारी भरत लाल ने बताया कि थाना इलाके में रहने वाले 42 वर्षीय दूल्हे ने मामला दर्ज कराया है कि उसका परिचित रामजी लाल कुछ समय पहले ही उसके पास आया था और दिल्ली की जाट समाज की लड़की से उसकी शादी करवाने की बात कही थी। शादी करवाने का झांसा देकर आरोपी ने तीन लाख 60 हजार रुपए ले लिए। पांच जुलाई को सहमति विवाह पत्र से खास रिश्तेदारों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मराठी मानुष की लड़ाई के लिए मेरा व राज ठाकरे का साथ आना जरूरी'

उद्धव ठाकरे ने "सामना" को दिए इंटरव्यू में कहा कि मराठी भाषा व मराठी मानुष के लिए वे कुछ भी कर सकते हैं

मुंबई, 20 जुलाई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा है कि मराठी भाषा और मराठी मानूस (मराठी लोगों) की लड़ाई के लिए उनका और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे का साथ आना ज़रूरी है।

उद्धव ठाकरे ने ये बातें शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना को दिए इंटरव्यू के दूसरे और अंतिम भाग में कहीं, जो रविवार को प्रकाशित हुआ। इंटरव्यू उन्होंने राज्यसभा सांसद और सामना के कार्यकारी संपादक संजय राउत को दिया। उन्होंने साफ कहा, मराठी भाषा और मराठी मानूस के लिए मैं कुछ भी करने को तैयार हूं। अगर किसी को मेरे और राज के साथ आने से परेशानी है, तो वो उनकी समस्या है।

जब उद्धव से पूछा गया कि क्या मराठी मानूस को एक साथ आना

- मुंबई महानगर पालिका जैसे स्थानीय निकाय चुनावों के बारे में उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिव सेना, कांग्रेस और शरद पवार स्थानीय स्तर पर इस संबंध में निर्णय लेंगे।

चाहिए, तो उन्होंने कहा, हां, जरूर आना चाहिए। क्योंकि हम लड़ाई किसके लिए लड़ रहे हैं? मराठी मानूस के लिए।

हाल ही में हिंदी भाषा को लेकर राज्य सरकार की तरफ से जारी दो विवादित सरकारी आदेशों को वापस लिए जाने के बाद, उद्धव और राज ठाकरे ने एक साथ मंच साझा किया था। इसके बाद से दोनों चचेरे भाइयों के फिर से करीब आने की अटकलें तेज हो गई हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा, अब हम दोनों (राज और उद्धव) एक-दूसरे को कॉल कर सकते हैं, मिल सकते हैं और इसमें कोई परेशानी नहीं है। हम ठाकरे लोग सबसे खुलकर मिलते हैं।

स्थानीय निकाय चुनावों (जैसे मुंबई महानगरपालिका) को लेकर पूछे गए सवाल पर उद्धव ने कहा, कांग्रेस से इस विषय पर चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर निर्णय लेंगे। अगर ऐसा है, तो ऐसा ही होगा। शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी (एसपी) तीनों मिलकर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन का हिस्सा हैं। उद्धव ने कहा, हर पार्टी का स्थानीय स्तर पर संगठन होता है। एमवीए की पार्टियां जो राजनीतिक रूप से उचित समझेंगी, हम वही करेंगे।

जून में यूपीआई से 24 लाख करोड़ रूपए का भुगतान हुआ

नई दिल्ली, 20 जुलाई। भारत अब तेज डिजिटल भुगतान के मामले में पूरी दुनिया में सबसे आगे निकल गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की नई रिपोर्ट, खुदरा डिजिटल भुगतान का बढ़ ता चलन: इंटरऑपरेबिलिटी का महत्व, के अनुसार, भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) इस क्रांति का मुख्य आधार है।

2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की तरफ से शुरू किया गया यूपीआई, आज भारत में पैसे भेजने और पाने का सबसे तेज, आसान और भरोसेमंद तरीका बन चुका

- आईएमएफ की नई रिपोर्ट के अनुसार, तेज डिजिटल भुगतान के मामले में भारत दुनिया में सबसे आगे हो गया है।

है। यूपीआई के जरिए एक ही मोबाइल ऐप से कई बैंक खातों को जोड़ा जा सकता है। फिर चाहे किसी को पैसे भेजने हों, दुकान में भुगतान करना हो या दोस्तों को पैसे ट्रांसफर करने हों- सब कुछ कुछ ही क्लिक में हो जाता है।

आज भारत में हर महीने 18 अरब से ज्यादा लेन-देन यूपीआई के जरिए हो रहे हैं। जून 2025 में ही यूपीआई ने 18.39 अरब लेनदेन के जरिए 24.03 लाख करोड़ रुपये का भुगतान संसाधित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीसलपुर बाँध भराव क्षमता के नज़दीक पहुँचा

संभावना व्यक्त की जा रही है कि जुलाई के अंतिम सप्ताह में बाँध पूरा भर जाएगा

देवली, 20 जुलाई (निसं)। बीसलपुर बांध अपनी भराव क्षमता छूने में कुछ ही दूर रह गया है। रविवार को बीसलपुर बांध का पानी करीब 315 मी को पार कर गया है। गौरतलब है कि इस बार मानसून जून के महीने में ही सक्रिय हो गया, इसी कारण जुलाई माह में चित्तौड़ उदयपुर राजसमंद भीलवाड़ा, मांडलगढ़ सहित बांध के कैचमैंट एरिया और ऊपरी भाग पर त्रिवेणी नदी से लगातार पानी की आवक के कारण बीसलपुर बांध अपने इतिहास में पहली बार अपनी जलाशय भंडार भराव क्षमता के करीब है। उल्लेखनीय की जयपुर, अजमेर, टोंक, की पेयजल लाइफलाइन बीसलपुर बांध की जलाशय भण्डारण 315.50 मीटर है।

लोगों का मानना है कि बीसलपुर बांध के ऊपरी माल एवं कैचमैंट एरिया में अब भी हो रही लगातार बारिश के कारण इस बार जुलाई के अंतिम सप्ताह तक बीसलपुर बांध का पानी भराव क्षमता को जल्दी छूकर छलक सकता है। इसलिए की बीसलपुर बांध की सहायक नदियां त्रिवेणी,

- बीसलपुर बाँध की सहायक नदियों, त्रिवेणी, खारी, डामी से बाँध में लगातार पानी आ रहा है।

खारी, डायी और कैचमैंट एरिया से बांध में लगातार पानी की आवक हो रही है। संबंधित विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार बीसलपुर बांध के निर्माण के बाद इतिहास में पहली बार जुलाई माह में पानी अपनी भराव क्षमता को पार कर सकता है।

विधायक देवली-उनियारा राजेंद्र गुर्जर ने कहा कि इस बार बीसलपुर बांध जुलाई माह में पूर्ण रूप से भर सकता है। ऊपरी माल पर लगातार हो रही बारिश की संभावना से यह संभव हो सकता है। ऐसे में ईसरदा बांध के निर्माण में, अगर कोई तकनीकियां खामियां नहीं होंगी तो राज्य सरकार बीसलपुर बांध से छोड़े जाने वाले पानी को ईसरदा डैम में एकत्रित करने पर विचार कर सकती है।

एयर इंडिया के पूर्व संचालन निदेशक जाँच टीम में शामिल

मुंबई, 20 जुलाई। अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे की जांच कर रहे एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने एअर इंडिया के पूर्व संचालन निदेशक और अनुभवी पायलट कैप्टन आरएस संधू को जांच में विशेषज्ञ के रूप में शामिल किया है। यह जानकारी सूत्रों ने रविवार को दी है। कैप्टन संधू बोइंग 787-8 विमान के लिए नामित परीक्षक भी रह चुके हैं। खास बात यह है कि उन्होंने 2013 में उस विमान वीटी-एएनबी को एअर इंडिया के लिए डिलीवर किया था, जो इस हादसे में शामिल था।

- कैप्टन आर.एस. संधू अनुभवी पायलट हैं तथा बोइंग 787-8 विमान के नामित परीक्षक रह चुके हैं।

सूत्रों के अनुसार, एएआईबी ने कैप्टन आरएस संधू से संपर्क कर उन्हें जांच टीम में बतौर डोमेन एक्सपर्ट (विशेषज्ञ) शामिल होने का प्रस्ताव दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। संधू करीब 39 वर्षों तक एयर इंडिया में कई जिम्मेदारियों पर कार्यरत रहे। वे एवियाजियोन नाम के एविएशन कंसल्टेंसी फर्म के संस्थापक भी हैं और उन्होंने टाटा समूह की कई एयरलाइनों के एकीकरण में भी अहम भूमिका निभाई थी। कई पायलट यूनियनों, खासकर एएलपीए इंडिया (एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) ने पहले ही चिंता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन ने तिब्बत में विश्व की सबसे बड़ी जल विद्युत परियोजना शुरु की

भारत को अंदेशा है कि इस परियोजना से इस भूकंप संवेदनशील क्षेत्र में पारिस्थितकी संतुलन बिगड़ सकता है

बीजिंग, 20 जुलाई। चीन ने भारत की चिंताओं को दरकिनार करते हुए तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में यारलुंग सांगपो नदी के निचले इलाकों में लगभग 1.2 ट्रिलियन युआन (167.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर) लागत वाली जलविद्युत परियोजना का निर्माण आधिकारिक तौर पर शुरू कर दिया है। चीनी परिषद ने अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी दी है।

परिषद के बयान में कहा गया है कि चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने शनिवार को यारलुंग ज़ंगबो नदी के निचले इलाकों में एक जलविद्युत परियोजना के निर्माण की शुरुआत की घोषणा की। इस परियोजना से बनने वाली बिजली का इस्तेमाल मुख्य रूप से बाहरी खपत के साथ-साथ तिब्बत में स्थानीय मांग के लिए भी किया जाएगा।

इस जलविद्युत परियोजना का निर्माण कार्य चाइना याजियांग ग्रुप कंपनी कर रही है जो परियोजना के पूरा होने के बाद इसका संचालन भी करेगी। गौरतलब है कि इस परियोजना के निर्माण की आधिकारिक शुरुआत से पहले भारत ने अपनी चिंता जता दी थी और

- चीन ने तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में रलुंग सांगपो नदी के निचले इलाकों में लगभग 167.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर की लागत वाली योजना बनाई है तथा इसका निर्माण कार्य शुरु कर दिया है।

भारत और अन्य देशों के हितों का भी ख्याल इस वर्ष जनवरी की शुरुआत में, भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा जलविद्युत स्टेशन बनाने की चीन की योजनाओं पर भारत नज़र रख रहा है। भारत ने चीन से आग्रह किया था कि वह ऐसी परियोजनाओं का निर्माण करते समय रखे।

भारत इस परियोजना का इस लिहाज से भी विरोध कर रहा है क्योंकि इसमें एक बांध तिब्बत पठार के पूर्वी छोर पर हिमालय की विशाल घाटी में बनाया जाएगा। यह क्षेत्र पहले ही भूकंप के नजरिए से काफी संवेदनशील है और इस विशाल परियोजना के निर्माण से यहां पारिस्थितकी संतुलन बिगड़ सकता है। यारलुंग सांगपो नदी दक्षिण-पश्चिमी तिब्बत में कैलाश पर्वत के पास जिमा यांगज़ोंग ग्लेशियर से निकलती है और इसकी लंबाई 1,700 किलोमीटर है यह भारत में अरूणाचल प्रदेश की सियांग नदी में, फिर असम में ब्रह्मपुत्र और बाद में बांग्लादेश पहुँचती है।

कॉलेज प्रोफेसर ने छात्रा के साथ छेड़छाड़ की

जयपुर, 20 जुलाई। चित्रकूट थाना इलाके में एक प्रोफेसर द्वारा कॉलेज छात्रा से छेड़छाड का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, छात्रा आरोपी प्रोफेसर के पास पढ़ ाई करने जाती थी। पढ़ाई के दौरान अकेला पाकर आरोपी ने छात्रा से छेड़छाड़ की। आरोपी के चुगंल से मुक्त होने के बाद पीड़िता ने थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने बयानों के आधार मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

थानाधिकारी अंतिम शर्मा ने बताया कि इलाके में रहने

- पीड़िता ने आरोप लगाया कि वह प्राइवेट कॉलेज में पढ़ाने वाले प्रोफेसर से कुछ पूछने गई थी, अकेला पाकर प्रोफेसर ने छेड़छाड़ की।

वाली 23 वर्षीय युवती का आरोप है कि वो प्राईवेट कॉलेज में पढ़ ती है।

आरोपी प्रोफेसर उसकी क्लास में पढ़ ाता था। 16 जुलाई की शाम को पीड़िता आरोपी से कुछ पूछने गई थी। इसी दौरान अकेला पाकर प्रोफेसर ने उसके साथ छेड़छाड शुरु कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता को धमकाना शुरु कर दिया। पुलिस ने बयानों के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।